RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : सोमवार 02 जून 2025 | वर्ष 07 | अंक 44 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी ®

खबरें बे-रोकटोक

मुंबई : आदित्य ठाकरे ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पद से हटाने की मांग की

Page - 2

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

महाजन-भुसे-भुजबल-नरहरि साथ-साथ

सीएम फडणवीस ने बढ़ाया हाथ

प्रभारी मंत्री सस्पेंस पर कही बड़ी बात...

नासिक: मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस रविवार को नासिक दौरे पर थे। नासिक दौरे के दौरान कुंभ मेले से जुड़े कार्यक्रम और अनुष्ठानों, विशेष रूप से पवित्र शाही स्नान (शाही स्नान) की तिथियों के बारे में जानकारी दी गई। ये स्नान अनुष्ठान कुंभ मेले के सबसे महत्वपूर्ण आयोजन हैं, जिनमें देश भर से लाखों श्रद्धालु आते हैं। नासिक और त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेले के दो प्रमुख स्थान दोनों के लिए अमृत स्नान की तिथियों का ऐलान किया गया। नासिक कुंभ मेले क महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को इस बारे में अस्पष्ट स्थिति बरकरार रखी कि 2026-27 में सिंहस्थ कुंभ मेले की मेजबानी करने वाले नासिक जिले का प्रभारी मंत्री कौन होगा। उन्होंने संकेत दिया कि इस पद के लिए महायुति के तीन सहयोगियों के बीच मतभेद अब भी अनसुलझे हैं।

मंत्रियों के साथ मिलकर हो रहा काम

नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेले के कार्यक्रम पर चर्चा के लिए संतों की एक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा, ''कुंभ मंत्री गिरीश महाजन (भाजपा), मंत्रियों दादा भुसे (शिवसेना), छगन भुजबल और नरहरि जिरवाल (दोनों राकांपा) के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। अगर जरूरत पड़ी तो हम भी वहां मौजूद होंगे।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभारी मंत्री की अनुपस्थिति से प्रशासनिक कार्य प्रभावित नहीं हुआ है। संभावित जिला प्रभारी मंत्री के चयन के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए फडणवीस ने कहा, ''प्रभारी मंत्री आते-जाते रहते हैं। चिंता मत कीजिए और इस मुद्दे में राजनीति नहीं करिए। यह (कुंभ मेला) एक धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व है।''

इस वर्ष की शुरूआत में, नासिक और रायगढ़ जिलों के प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति पर रोक लगा दी गई थी, क्योंकि इस मुद्दे पर सत्तारूढ़ महायुति में कथित खींचतान थी। महायुति में भाजपा, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा शामिल हैं। राज्य सरकार ने 18 जनवरी को जिला प्रभारी मंत्रियों की सूची की घोषणा की, जिसमें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की अदिति तटकरे को रायगढ़ और भाजपा नेता गिरीश महाजन को नासिक की जिम्मेदारी दी गई।

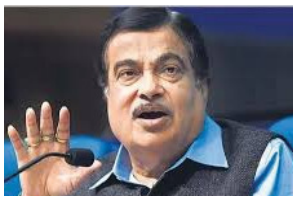

चौदह प्रतिशत चीनी रिकवरी दर वाले गन्ने की किस्म से महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी: गडकरी

मुंबई : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि 14 प्रतिशत चीनी रिकवरी दर वाले गन्ने की नयी किस्म अपनाने से महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था में 25,000 करोड़ रुपये का इजाफा हो सकता है। गडकरी ने नागपुर में 'सैटरडे क्लब ग्लोबल ट्रस्ट' के रजत जयंती कार्यक्रम में कहा, ''ब्राजील ने जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से गन्ने की एक ऐसी किस्म विकसित की है जो 14 प्रतिशत चीनी रिकवरी प्रदान करती है। अगर हम महाराष्ट्र में इसी तरह की किस्म का उपयोग करते हैं, तो इससे हमारे राज्य की अर्थव्यवस्था में 25,000 करोड़ रुपये का इजाफा हो सकता है।''

मंत्री ने कहा कि उन्होंने वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट के साथ गन्ने की उच्च उपज वाली किस्म के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की है और उसे स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल समान किस्म विकसित करने पर काम करने के लिए कहा है। उन्होंने गन्ने की अधिक उपज वाली किस्मों के इस्तेमाल से होने वाले आर्थिक लाभों का जिक्र करते हुए कहा, 'कोल्हापुर जिले में फिलहाल महाराष्ट्र में सबसे अधिक चीनी रिकवरी दर्ज की गई है, जो लगभग 12 से 12.5 प्रतिशत है, जबकि विदर्भ लगभग 11.25 प्रतिशत के साथ पीछे रहा गया है। चीनी रिकवरी में 1 प्रतिशत का अंतर भी 7 से 8 करोड़ रुपये के लाभ में तब्दील हो जाता है।'

महाराष्ट्र में 65 नए कोविड पॉजिटिव मरीज मिले,

कुल सक्रिय मरीजों की संख्या 506 पहुंची, हुई इतनी मौतें...!

मुंबई: महाराष्ट्र में 1 जून को 65 नए नए कोविड पॉजिटिव मरीज मिले हैं। यहां सक्रिय मरीजों की संख्या 506 पहुंच गई है। कोविड की वजह से जनवरी से अब तक कुल 8 मौतें दर्ज की गई हैं। देश में भी कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। देश में कोरोना के मामलों की संख्या 3 हजार पार कर चुकी है। रविवार सुबह तक भारत में कोरोना के मौजूदा केस 3,395 थे। इसमें सबसे ज्यादा मामले केरल से सामने आ रहे हैं। केरल में रविवार सुबह तक 1336 एक्टिव केस थे।

विश्व में कोरोना वायरस की शुरूआत आधिकारिक तौर पर दिसंबर 2019 में हुई थी। ये सबसे पहले चीन के वुहान शहर में मिला था। इसके बाद यह वायरस तेजी से दुनिया भर में फैल गया, और मार्च 2020 में हल्थ ने इसे वैश्विक महामारी (पैंडेमिक) घोषित कर दिया।

भारत में कोरोना वायरस का पहला मामला 30 जनवरी 2020 को केरल के त्रिशूर से सामने आया था। यहां एक 20 वर्षीय मेडिकल छात्रा, जो चीन के वुहान से लौटी थी, कोविड-19 पॉजिटिव पाई गई थी। मार्च 2020 से मामलों में वृद्धि हुई और अप्रैल 2020 तक यह पूरे देश में फैल गया।

मंत्री नितेश राणे समेत 31 आरोपी बरी, 2017 में सरकारी अधिकारी पर मछली फेंकने पर दर्ज हुआ था केस

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले की एक अदालत ने बीजेपी मंत्री नितेश राणे और 30 अन्य लोगों को 2017 में सरकारी अधिकारी पर मछली फेंकने के मामले में बरी कर दिया है। यह मामला 6 जुलाई 2017 को हुआ था। जानकारी के अनुसार, नितेश राणे और लगभग 100 लोग मालवण में मौजूद मत्स्य विभाग के सहायक आयुक्त प्रदीप वस्त के कार्यालय में गए थे। वहां वे मत्स्य व्यवसाय से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना चाहते थे। लेकिन बात बिगड़ गई और उन्होंने अधिकारी के साथ गाली-गलौज की और मछली फेंकी, जो अधिकारी के चेहरे पर लगी। इतना ही नहीं, इन लोगों ने मछली पकड़ने वाली नावों को जलाने की धमकी भी दी थी।

किन धाराओं में केस दर्ज हुआ?

इस मामले में नितेश राणे और अन्य पर भारतीय दंड संहिता (IPC) की कई धाराओं में मामला दर्ज हुआ था। इसमें धारा 353: सरकारी काम में बाधा डालने के लिए हमला, धारा 332: सरकारी कर्मचारी को चोट पहुंचाना, धारा 341: गलत तरीके से रास्ता रोकना, धारा 141, 143, 147: गैरकानूनी जमावड़ा और दंगा, धारा 504: जानबूझकर अपमान करना, धारा 506: धमकी देना शामिल है।

कोर्ट ने क्यों बरी किया?

21 मई को आए अदालत के फैसले की जानकारी अब सामने आई है। अदालत के अनुसार अधिकारी प्रदीप वस्त ने गवाही में यह नहीं कहा कि नितेश राणे ने खुद मछली फेंकी। उन्होंने सिर्फ यह बताया कि राणे के साथ आए कुछ लोगों ने मछली फेंकी थी। वे यह भी स्पष्ट रूप से नहीं बता सके कि किसने चोट पहुंचाई। अदालत ने कहा कि कोई पुख्ता और भरोसेमंद सबूत नहीं है जिससे यह साबित हो सके कि आरोपियों ने अधिकारी को ड्यूटी करने से रोका या नुकसान पहुंचाया। इसके अलावा, गवाहों ने भी अभियोजन पक्ष की कहानी का समर्थन नहीं किया, जिससे अन्य आरोप भी टिक नहीं पाए।

घटना के बाद क्या हुआ था?

इस घटना का वीडियो क्लिप स्थानीय चैनलों पर चला था, जिसके बाद नितेश राणे और अन्य को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, उन्हें उसी दिन जमानत मिल गई थी। बता दें कि, नितेश राणे साल 2014 से कणकवली सीट से विधायक हैं। वे महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे के बेटे हैं। उन्हें दिसंबर 2023 में देवेंद्र फडणवीस की कैबिनेट में मंत्री बनाया गया था।

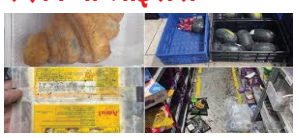

फंगस, एक्पायर्ड सामान, गीला फर्श...मुंबई में Zepto के गोदाम में पाई गई कई खामियां; FDA ने रद किया लाइसेंस

मुंबई : मुंबई के धारावी में जेप्टो के गोदाम में खाने की चीजों पर फंगस, एक्सपायर्ड सामान और गंदी हालत में सामान रखने का मंजर देखने को मिला। फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने जब गोदाम का दौरा किया, तो वहां गंभीर खामियां पाई गईं। एनडीटीवी के अनुसार, गंदगी, नमी और बेतरतीब ढंग से रखे सामान खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के उल्लंघन की ओर इशारा करते हैं। इस वजह से जेप्टो प्राइवेट लिमिटेड का खाद्य कारोबार लाइसेंस रद कर दिया गया है। जेप्टो ने अपने बयान में कहा कि उसने इंटरनल जांच शुरू कर दी है और ग्राहकों को सबसे सुरक्षित सामान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

जीडीपी विकास दर के मायने

वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी, अंतिम तिमाही (जनवरी-मार्च) में देश की आर्थिक विकास दर 7.4 फीसदी रही। बेशक यह कई अपेक्षाओं और अनुमानों से परे मानी जा सकती है, लेकिन यह अभूतपूर्व नहीं है। कुल वित्त वर्ष की विकास दर 6.5 फीसदी रही है, यह पुष्टि भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने की है। यदि वस्तुओं, सेवाओं और वेल्यू एडिड के तौर पर लगाए गए करों को हटा लिया जाए, तो चौथी तिमाही की विकास दर 6.8 फीसदी रह जाएगी। विकास की गति दूसरी छमाही के दौरान तेजी से बढ़ी, अलबत्ता दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में विकास दर 5.6 फीसदी तक लुढक गई थी। समग्रता में देखें, तो भारतीय अर्थव्यवस्था की बढ़ोतरी 2024-25 के दौरान धीमी, मंद रही है, लिहाजा चौथी तिमाही के आंकड़ों पर गालबजाई नहीं करनी चाहिए। फिर भी भारतीय रिजर्व बैंक और विश्व की आर्थिक एजेंसियों ने 2024-25 के दौरान हमारी आर्थिक विकास दर 6.2 फीसदी से 6.4 फीसदी तक ही आंकी थी। यह दर भी विश्व में सबसे तेज अर्थव्यवस्था की ओर संकेत करती है। औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र में, खासकर मैन्यूफैक्चरिंग में, तेजी से गिरावट देखी गई है। 2024-25 के दौरान मार्च तिमाही में इस क्षेत्र में 4.8 फीसदी की दर से बढ़ोतरी दर्ज की गई। पिछली तिमाही में यह वृद्धि 3.6 फीसदी थी, जबकि एक साल पहले यह दर 12.3 फीसदी थी। यह चिंताजनक फासला माना जा सकता है। बीते वित्त वर्ष में कृषि क्षेत्र ने नए आयाम स्थापित किए। मौसम माकूल रहा, जलाशयों में पानी भरा रहा, किसानों को उनकी फसलों के दाम अच्छे और ज्यादा मिले, लिहाजा किसानों ने फसलों की ज्यादा बुआई की। बड़े खेतों में फसल लगाई। नतीजा यह रहा कि चौथी तिमाही में कृषि विकास दर 5.4 फीसदी रही। पूरे वित्त वर्ष की कृषि विकास दर 4.6 फीसदी रही। यह लंबे समय तक की औसतन दर से अधिक है। यह बढ़ते ग्रामीण उपभोग और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सुखद व्याख्या करती है, लेकिन भारत के ज्यादातर किसान आज भी गरीब और कर्जदार हैं। प्रधानमंत्री मोदी इस संदर्भ में अपना वायदा अब तो पूरा करें। इस तिमाही में निर्माण क्षेत्र में 10.8 फीसदी की दर से विस्तार हुआ, हालांकि एक साल पहले इस क्षेत्र की विकास दर 8.7 फीसदी थी। खनन क्षेत्र, सेवा क्षेत्र और सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा आदि क्षेत्रों में भी विकास दर्ज किया गया है। दरअसल 2023-24 में जीडीपी 9.2 फीसदी की दर से बढ़ी थी।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 8657861004
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : आदित्य ठाकरे ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पद से हटाने की मांग की

मुंबई : शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को उनके पद से हटाने की मांग की है। आदित्य ठाकरे का कहना है कि मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) की तरफ से मुंबई की दो बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की टेंडर प्रक्रिया को रद्द करना एक बड़ा घोटाला है और इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए।

एमएमआरडीए ने सुप्रीम कोर्ट में क्या कहा?

शुक्रवार को एमएमआरडीए ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह दो महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं के टेंडर रद्द कर रहा है। ये दोनों प्रोजेक्ट हैं। मुंबई एलिवेटेड रोड प्रोजेक्ट झ करीब 6,000 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला 9.8 किलोमीटर का पुल जो वसई क्रीक के ऊपर बनेगा। रोड टनल प्रोजेक्ट झ 8,000 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 5 किलोमीटर लंबी दोहरी सुरंग जो ठाणे की घोड़बंदर रोड पर गाईमुख से फाउंटेन होटल जंक्शन तक जाएगी। एमएमआरडीए ने कहा कि वह यह कदम जनहित में उठा रहा है ताकि लोगों का विश्वास बना रहे और करदाताओं के पैसों का सही उपयोग हो। उसने यह भी कहा कि वह परियोजना की अनुमानित लागत में लगभग 3,000 करोड़ रुपये की कटौती करने पर विचार कर रहा है।

आदित्य ठाकरे ने क्या आरोप लगाए?

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ठाकरे ने कहा, 'सरकार क्यों पीछे हटी? कोई ठेकेदार सरकार के खिलाफ एक टेंडर के लिए नहीं जाता। ये पूरा मामला एक घोटाला है। टेंडर रद्द होने का मतलब यह नहीं कि सब कुछ साफ है। एमएमआरडीए पर तलवार लटकी थी इसलिए उन्होंने टेंडर रद्द किया।' आदित्य ठाकरे ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को इस मामले की जांच आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) या आयकर विभाग (आईटी) से करानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की भी फटकार

यह पूरा मामला उस समय सुप्रीम कोर्ट के सामने आया जब बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी लार्सन एंड टुब्रो ने एमएमआरडीए की तरफ से उसे टेंडर प्रक्रिया से बाहर करने के फैसले को चुनौती दी। कोर्ट ने एमएमआरडीए को इस मामले में लापरवाही के लिए फटकार भी लगाई।

पिछले साल से उठ रहे थे सवाल

आदित्य ठाकरे ने कहा कि जब यह टेंडर पहली बार निकाला गया था (13 सितंबर 2024 को), तो ठेकेदारों को केवल 20 दिन का समय दिया गया था (बोली जमा करने की आखिरी तारीख 3 अक्तूबर 2024 थी)। उन्होंने कहा कि इतनी जल्दी की डेडलाइन सिर्फ इमरजेंसी कामों में दी जाती है, इतने बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए नहीं। उनके विरोध के बाद ही यह डेडलाइन 60 दिन तक बढ़ाई गई। आदित्य ठाकरे ने आरोप लगाया कि एक विदेशी वित्तीय संस्था, जो कैरेबियन के सेंट लुइस देश से जुड़ी है, उससे बैंक गारंटी ली गई थी। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने इसपर सवाल उठाए, तभी जाकर एमएमआरडीए ने टेंडर प्रक्रिया पर पुनर्विचार किया।

मुंबई : चर्चगेट स्टेशन का नाम बदलकर अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर रखने की मांग

मुंबई : धनगर समुदाय के नेता प्रकाश शेंडगे ने चर्चगेट स्टेशन का नाम बदलकर अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर रखने की मांग की। उन्होंने कहा कि यहां न कोई चर्च है और ना ही कोई गेट, तो फिर इस स्टेशन का नाम चर्च गेट क्यों रखा गया है? इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर निशाना भी साधा। दक्षिण मुंबई के चर्चगेट रेलवे स्टेशन के नाम बदलने को लेकर चर्चा तेज है। इसी बीच धनगर समुदाय के नेता प्रकाश शेंडगे ने शनिवार को मांग की कि दक्षिण मुंबई के चर्चगेट रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर रखा जाए। पत्रकारों से बातचीत के दौरान शेंडगे ने कहा कि यहां ना तो कई चर्च है और ना ही कोई गेट, तो फिर इस स्टेशन का नाम चर्च गेट क्यों रखा गया है?

शेंडगे ने कहा कि स्टेशन के पास के एक चौराहे का नाम पहले ही अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर रखा गया है, अब स्टेशन को भी उनका नाम दिया जाना चाहिए। बता दें कि अहिल्याबाई होल्कर मराठा शासन वाले मालवा राज्य की प्रसिद्ध रानी थीं। भाजपा पर साधा निशाना साथ ही अपने बयान में धनगर समुदाय के नेता ने भाजपा पर भी तीखा हमला किया। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी ने धनगर समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने का जो वादा किया था, उसे अब तक पूरा नहीं किया है।

सीएम फडणवीस पर भी लगाए आरोप

इसके साथ ही शेंडगे ने कहा कि जिस व्यक्ति ने हमें एसटी दर्जा देने का वादा किया था, वह आज मुख्यमंत्री है। इससे पहले भी वह दो बार मुख्यमंत्री रह चुका है, लेकिन हमारे समुदाय को अब तक कुछ नहीं मिला। गौरतलब है कि धनगर समुदाय महाराष्ट्र में चरवाहों का समुदाय है और वर्तमान में घुमंतू जनजाति (एनची) की सूची में आता है। यह समुदाय लंबे समय से एसटी कोटे में आरक्षण की मांग कर रहा है।

पत्नी का शारीरिक संबंध बनाने से इनकार, गुस्साए पति ने लगा दी आग; पति गिरफ्तार

मुंबई : चेंबूर इलाके से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है. दरअसल, घरेलू विवाद के बाद एक महिला के पति ने कथित तौर पर पत्नी को आग के हवाले कर दिया. मुंबई पुलिस के अनुसार आरोपी ने गुस्से में आकर अपनी पत्नी पर केरोसिन डालने के बाद उस पर जलता हुआ कागज फेंक दिया. आगजनी की इस घटना में महिला गंभीर रूप से जल गई. फिलहाल उसका इलाज सायन अस्पताल में चल रहा है.

क्या है पूरा मामला?

घरेलू सहायिका के तौर पर काम करने वाली 38 वर्षीय महिला अपने पति के साथ चेंबूर में रहती है. पुलिस को दिए गए उसके बयान के अनुसार दोपहर में जब वह काम पर जाने वाली थी तो उसके पति ने कथित तौर पर यौन संबंध बनाने की मांग की, लेकिन महिला ने यह कहते हुए मना कर दिया कि उसे देर हो रही है. इसके बाद दोनों के बीच तीखी बहस हुई. पत्नी का उसी समय यौन संबंधन बनरने ये इनकार करने पर आरोपी पति कथित तौर पर गुस्सा हो गया. वह अपनी पत्नी के चरित्र पर सवाल उठाते हुए उसे गाली देने लगा. गुस्से और निराशा में आकर महिला ने कथित तौर पर खुद पर मिट्टी का तेल डाल लिया. महिला ने माचिस से खुद को आग लगाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं जली. उसी समय, उसके पति ने रसोई के गैस स्टोव पर कागज का एक टुकड़ा जलाया और उसे महिला पर फेंक दिया. पति के इस हरकत के बाद मिट्टी के तेल में आग लग गई. महिला के सीने, पेट, पैर और हाथ बुरी तरह झुलस गया. उसे सायन अस्पताल ले भर्ती कराया गया. उसकी हालत गंभीर है. जब वह बोलने की स्थिति में वापस आई तो पुलिस ने उसका बयान दर्ज किया, जिसमें उसने अपने पति पर जानबूझकर उसे आग लगाने का आरोप लगाया है.

महिला की शिकायत के आधार पर मुंबई की RCF पुलिस ने इठर की धारा 109 (1),352 और 115 (2) के तहत आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. साथ ही पुलिस न आरोपी को गिरफ्तार कर लिया.

मुंबई : पशुओं के अनधिकृत कत्ल पर पाबंदी !

पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों के लिए उड़नदस्ते बनाए गए

मुंबई : बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने इस वर्ष बकरीद के अवसर पर धार्मिक पशु कत्ल की अनुमति के लिए आवेदन करने हेतु ऑनलाइन सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। साथ ही, भैंस और बकरी आयात लाइसेंस तथा धार्मिक पशु वध के लिए स्लॉट बुकिंग के लिए वेबसाइट पर ऑनलाइन व्यवस्था की गई है। इसलिए, बकरियों के आधिकारिक वध के लिए देवनार कत्लखाना की सुविधा के बावजूद कई मुस्लिम भाई-बहनों द्वारा अवैध रूप से वध किया जाता है इसलिए इस तरह के बकरों के वध का पता लगाने के लिए महानगरपालिका द्वारा शहर, पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों के लिए अलग-अलग उड़नदस्ते बनाए गए हैं।

महानगरपालिका के बाजार विभाग के माध्यम से ७ से ९ जून २०२५ के बीच मुंबई में कुल १०९ स्थानों पर धार्मिक पशु वध की अनुमति दी गई है। ऑनलाइन अनुमति के लिए आवेदन करते समय यदि संबंधित भूमि सहकारी आवास समिति या निजी स्वामित्व की है, तो आवेदन करते समय अनापत्ति प्रमाण पत्र और आवेदक का पहचान पत्र अपलोड करना होगा। पशुओं की संख्या और किस दिन धार्मिक पशु का वध किया जाना है, इसका उल्लेख आवेदन करते समय करना होगा।

पालघर : भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष पर छेड़छाड़ और मारपीट का आरोप

पालघर : पालघर से एक चौंकाने वाली खबर आई है। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष और फिलहाल लोकसभा संगठक के रूप में कार्यरत नंदकुमार पाटील की घिनौनी करतूत सामने आई है। एक महिला ने नंदकुमार पाटील पर छेड़छाड़ और मारपीट का आरोप लगाया है। इस कांड में महिला के कपड़े फट गए और वह निर्वस्त्र हो गई। इस मामले में वाडा पुलिस थाने में पाटील और उनके भाइयों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि मारपीट की यह घटना जमीन विवाद से जुड़ी है, जिसमें महिला के साथ मारपीट की गई थी। इस मारपीट का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें मारपीट के दौरान महिला के कपड़े फटे हुए और वह निर्वस्त्र दिखाई दे रही है। एक अन्य सीसीटीवी फुटेज में महिला को मारते हुए नंदकुमार पाटील साफ नजर आ रहे हैं।

वायरल हुई पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष की करतूत!

पालघर के पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष नंदकुमार पाटील ने एक महिला के साथ घिनौनी करतूत की है। पाटील ने महिला की सरेआम पिटाई करके

उसके कपड़े फाड़ डाले हैं। जमीन के विवाद को लेकर संबंधित महिला के साथ झगड़ा हुआ। मामला इतना बढ़ गया कि महिला के साथ मारपीट की गई। मारपीट के दौरान महिला को अर्धनग्न करने का चौंकाने वाला वीडियो भी सामने आया है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस वायरल वीडियो में मारपीट का दृश्य साफ नजर आ रहा है।

छेड़छाड़ का मामला दर्ज

पीड़ित महिला की शिकायत के अनुसार, नंदकुमार पाटील और उनके भाइयों ने जमीन के विवाद को लेकर उसके साथ शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना की। इसके चलते उनके खिलाफ छेड़छाड़, मारपीट और दुर्व्यवहार की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

वाडा पुलिस थाने के अधिकारी इस मामले की गहन जांच कर रहे हैं। फिलहाल सीसीटीवी फुटेज, वीडियो और अन्य सबूतों की जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा है कि आरोपियों पर जल्द ही कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जुलूस निकालने की धमकी

पाटील ने महिला को कपड़े फाड़कर जुलूस निकालने की धमकी भी दी। बिलावली गांव में योगेश पाटील के भाई की खेती की जमीन है, जहां वे अपनी पत्नी के साथ काम कर रहे थे। इसी दौरान पड़ोसी रमाकांत पाटील वहां आया और उसने कहा कि यह जमीन मेरी है, यहां काम मत करो। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। उसी समय भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष नंदकुमार पाटील और उनके पिता गजानन पाटील मौके पर पहुंचे। उन्होंने महिला के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की। इस दौरान नंदकुमार ने धमकी देते हुए कहा, 'मैं जिला अध्यक्ष था, मेरी ताकत दिखा दूंगा। तेरे कपड़े फाड़कर जुलूस निकाल दूंगा।' इस घटना के बाद महिला की शिकायत पर वाडा पुलिस ने नंदकुमार पाटील के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

मुंबई : शिलफाटा रोड पर पलावा पुल के रुके हुए काम को तुरंत पूरा करने और यातायात के लिए खोलने की मांग

मुंबई : पिछले सात वर्षों से शिलफाटा रोड पर पलावा पुल के रुके हुए काम को तुरंत पूरा किया जाना चाहिए। इस पुल के रुके हुए काम के कारण यात्रियों को हर दिन ट्रैफिक जाम से जूझना पड़ता है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्ष के डोंबिवली जिलाप्रमुख दीपेश म्हात्रे और पूर्व विधायक राजू पाटील पलावा पुल स्थल पर एक साथ आए और इस पुल के रुके हुए काम को तुरंत पूरा करने और यातायात के लिए खोलने की मांग की।

शिवसेना कार्यकर्ता और पदाधिकारी सैकड़ों की संख्या में पलावा पुल को खोलने की मांग को लेकर एकत्र हुए थे। कल्याण ग्रामीण के शिंदे गुट के विधायक राजेश मोरे ने नागरिकों को आश्वासन दिया था कि ३१ मई तक पलावा पुल यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। चूंकि यह वादा पूरा नहीं किया गया और इस क्षेत्र के जनप्रतिनिधि पिछले सात वर्षों से पलावा पुल के संबंध में यात्रियों को केवल वादों पर वादे करते आ रहे हैं इसलिए पूर्व शिवसेना विधायक राजू पाटील और जिलाप्रमुख दीपेश म्हात्रे इसका सार्वजनिक विरोध करने के लिए एक साथ आए थे।

जिलाप्रमुख दीपेश म्हात्रे ने पलावा पुल के उद्घाटन के लिए एक नकली निमंत्रण पत्र तैयार किया था। 'पलावा पुल का वादा कभी खत्म नहीं हुआ और पलावा पुल कभी पूरा नहीं हुआ,' यह बात इस पुल के रास्ते में बाधा डालने वाले जनप्रतिनिधियों से कही गई थी। यह सब शिंदे गुट को लेकर लक्षित किया गया था। पलावा चौक में कुछ दुकानों को हटाने का कुछ राजनीतिक नेता विरोध कर रहे हैं। बता दें कि पलावा पुल का पिछले सात वर्षों से रुका हुआ है। पुल का यह रुका हुआ काम यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बन रहा है। पुल चालू करने के नाम पर लोगों को केवल चॉकलेट और गाजर देने का काम किया जा रहा है, ऐसा दीपेश म्हात्रे ने कहा।

ठाणे के मोघरपाड़ा इलाके में फैले ४३५ एकड़ हरित क्षेत्र में मेट्रो लाइन ४ के लिए कार शेड का प्रस्ताव

ठाणे : ठाणे के मोघरपाड़ा इलाके में फैले ४३५ एकड़ (१७६ हेक्टेयर) हरित क्षेत्र में मेट्रो लाइन ४ के लिए कार शेड बनाने के प्रस्ताव पर राज्य सरकार विचार कर रही है। इस जमीन का इस्तेमाल अब तक खेती के लिए किया जाता रहा है, लेकिन अब इसे मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए आरक्षित करने की योजना है। राज्य के नगरविकास विभाग ने इस संबंध में २० मार्च को अधिसूचना जारी कर सार्वजनिक सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। अंतिम निर्णय इन्हीं प्रतिक्रियाओं के बाद लिया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, मूल रूप से यह कार शेड ठाणे के ओवाले में बनना था, लेकिन वहां बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई का विरोध हुआ। इसके पहले आरे कॉलोनी में मेट्रो ३ का कार शेड बनाए जाने पर भी जबरदस्त विरोध

हुआ था। इसी कारण ओवाले की जगह अब मोघरपाड़ा को चुना गया है, जहां पेड़ों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। यह जमीन संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान और घोडबंदर रोड के पास स्थित है। यह राज्य सरकार की संपत्ति है, लेकिन वर्तमान में १६७ पट्टाधारकों द्वारा कृषि कार्य के लिए उपयोग में लाई जा रही है। सरकार इन पट्टाधारकों के लिए एक मुआवजा योजना पर काम कर रही है।

मेट्रो ४ की जानकारी

मेट्रो लाइन ४ एक ३२ किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर है, जो मुंबई के वडाला को ठाणे के कासरवडवली से जोड़ेगा। इसमें कुल ३२ स्टेशन होंगे और अब तक ८० फीसदी निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। पहले यह लाइन २०२४ तक शुरू होने वाली थी, लेकिन अब इसे २०२६ तक चालू करने का लक्ष्य है।

किसके लिए होगा कार शेड?

मोघरपाड़ा में प्रस्तावित कार शेड न सिर्फ मेट्रो लाइन ४, बल्कि इसकी आगे की एक्सटेंशन लाइनें- मेट्रो ४ ए (कासरवडवली से गायमुख), मेट्रो ११ (वडाला से जनरल पोस्ट ऑफिस) और अन्य प्रस्तावित मेट्रो रूट्स को भी सेवाएं देगा। सरकार का कहना है कि बची हुई जमीन का उपयोग मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) द्वारा आवासीय या व्यावसायिक उपयोग के लिए किया जाएगा।

मुंबईः कोस्टल रोड अब चार पहिया वाहनों और यात्री बसों के लिए खुल गया

मुंबईः जेके कपूर चौक से शुरू होने वाले कोस्टल रोड के अंतिम चरण का काम पूरा हो गया है। कोस्टल रोड अब चार पहिया वाहनों और यात्री बसों के लिए खुल गया है। इससे मुंबईकरों का सफर अब और भी आसान हो जाएगा। प्रिंसेस स्ट्रीट फ्लाईओवर से बांद्रा वर्ली सी लिंक के वर्ली छोर तक 10.58 किलोमीटर लंबी कोस्टल रोड बनाई गई है। इससे प्रभादेवी से नरीमन पॉइंट और बांद्रा वर्ली सी लिंक तक यातायात आसान हो गया है। सबवे में दोपहिया, तिपहिया

और भारी वाहनों को जाने की अनुमति नहीं होगी।

सुबह 7 बजे से रात 12 बजे तक खुला रहेगा रूट

कोस्टल रोड का यह रूट सेंट्रल रेलवे रूट पर यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए भी फायदेमंद होगा। साथ ही दादर, प्रभादेवी से नरीमन पॉइंट तक यात्रा करने वाले यात्रियों को भी इसका बहुत फायदा होगा। कोस्टल रोड के इस सबवे के जरिए यात्री बहुत कम समय में दादर, प्रभादेवी से सीधे नरीमन पॉइंट पहुंच सकेंगे। यह रूट सुबह 7 बजे से रात 12 बजे तक खुला रहेगा।

मुंबई: जिले में आदिवासी आबादी की गणना करने के निर्देश; आदिवासी पाड़ों और बस्तियों को सभी नागरिक सुविधाएं प्रदान करने की योजना

मुंबईः जिला नियोजन समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक बांद्रा-पूर्व स्थित चेतना कॉलेज में आयोजित की गई। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री एवं मुंबई उपनगर के पालकमंत्री आशीष शेलार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में 1,088 करोड़ रुपए के खर्च को मंजूरी दी। इस मौके पर मंत्री शेलार ने कहा कि जिला नियोजन समिति एक महत्वपूर्ण समिति है। यहां लोगों के हित के मुद्दे उठाए जाते हैं।

इसलिए जन कल्याण के लिए सरकारी निधि खर्च करने की जिम्मेदारी कार्यकारी एजेंसियों की होती है। अतः सभी विभाग प्रमुखों को 100 प्रतिशत निधि खर्च करने का प्रयास करके उठाए गए मुद्दों को हल करने का प्रयास करना चाहिए।

मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि सभी विभागों को नियोजन समिति की बैठक में उठाए गए सवालों का संतोषजनक जवाब देना चाहिए और इन समस्याओं के 100 प्रतिशत समाधान के लिए 100 प्रतिशत निधि का इस्तेमाल करना चाहिए। साथ ही, अनुपालन के जवाब सही और तथ्यात्मक होने चाहिए। अनुपालन की एक प्रति जल्द से जल्द सदस्यों को उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों का तुरंत जवाब दिया जाना चाहिए।

बैठक में लिए गए गई बड़े निर्णय

मंत्री शेलार ने कहा कि सरकार ने जिले में आदिवासी आबादी की गणना करने के निर्देश दिए हैं। इसलिए इस निधि को खर्च करते

समय सटीक योजना बनाना संभव होगा। इस निधि से आदिवासी पाड़ों और बस्तियों को सभी नागरिक सुविधाएं प्रदान करने की योजना बनाई जानी चाहिए। पुलिस, सार्वजनिक निर्माण और नगर निगम के अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों की गंभीरता पर ध्यान देना चाहिए। इन मुद्दों को हल करने के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने आदिवासी विकास के लिए 100 करोड़ रुपए प्रदान करने का राजनीतिक निर्णय लिया है।

जिले में पुरानी जर्जर और खतरनाक इमारतों के पुनर्विकास के लिए निवासियों को 20,000 रुपए किराया देने का निर्णय भी लिया गया है। इसी तरह भूस्खलन के जोखिम वाले क्षेत्रों में मास नेट लगाने का निर्णय लिया गया है। इसमें 9 मीटर से कम ऊंची दीवारों वाले क्षेत्रों में म्हाडा मास नेट लगाएगा। जबकि 9 मीटर से अधिक ऊंचे क्षेत्रों में मास नेट लगाने का काम लोक निर्माण विभाग करेगा। मंत्री शेलार ने कहा कि कलिना में फोर्स वन ट्रेनिंग सेंटर को भी मंजूरी दी जा रही है।

केतकी पाडा में रहने वालों को पुनर्वसित किया जाएगा

इस मौके पर संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान को वन क्षेत्र घोषित करने के बाद नए घोषित अतिरिक्त वन क्षेत्र केतकी पाडा में रहने वाले, मूलभूत सुविधाओं से वंचित 80 हजार लोगों को उसी स्थान पर पुनर्वसित किए जाने की विधायक प्रवीण दरेकर मांग सर्वसम्मति से मंजूर कर ली गई। बैठक में सदस्यों ने अम्लीय उत्पादों के बढ़ते व्यापार, महिला सुरक्षा, पुल, फुटपाथ, सड़क कार्य, नालों की सफाई, आदिवासी बस्तियों और वन भूमि के निवासियों को सुविधाएं प्रदान करने जैसे विभिन्न मुद्दे उठाए।

बैठक में सांसद वर्षा गायकवाड़, सांसद रवींद्र वायकर, बृहन्मुंबई महानगरपालिका आयुक्त भूषण गगरानी, जिला कलेक्टर राजेंद्र क्षीरसागर, मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती, झुग्गी बस्ती पुनर्वास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेंद्र कल्याणकर सहित विधायक, जनप्रतिनिधि और मुंबई उपनगरीय जिले के आमंत्रित सदस्य उपस्थित थे।

मुंबई में बढ़ी गर्मी और उमस, मॉनसून के ब्रेक ने बढ़ाई परेशानी...

जानें अब कब से होगी बारिश

मुंबई : इस वर्ष सबसे जल्दी मॉनसून आने के बाद पर अब बारिश पर ब्रेक सा लग गया है। बारिश न होने के चलते तापमान में वृद्धि हुई है। ऊपर से उमस मुंबईकरों के पसीने छुड़वा रही है। मौसम विशेषज्ञ के अनुसार, 6 जून के पहले अच्छी बारिश की संभावना न के बराबर है, हालांकि कुछ क्षेत्र में पासिंग शावर (कुछ मिनट के लिए हल्की बारिश) मिल सकते हैं। लेकिन उमस भरी गर्मी से राहत नहीं मिलेगी।

मुंबई का तापमान बढ़ा

मुंबई में सोमवार को मॉनसून ने समय से पहले दस्तक देकर मौसम के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। क्षेत्रीय मौसम विभाग के अनुसार, बीते 69 वर्षों में यह पहली बार था, जब मॉनसून इतनी जल्दी मुंबई में दाखिल हो गया, लेकिन दो दिन की बारिश के बाद अब मॉनसून ने ब्रेक ले लिया है। बीते दो दिनों से तेज धूप और उमस के चलते लोग पसीने से तरबतर हो रहे हैं। बारिश के चलते 26 और 27 मई को अधिकतम तापमान लुढ़ककर 27 डिग्री सेल्सियस तक आ गया था, लेकिन अब बीते कुछ दिनों से तापमान में काफी वृद्धि दर्ज की गई है।

मुंबई में बढ़ी उमस भी

क्षेत्रीय मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार को मुंबई का अधिकतम तापमान 33.4

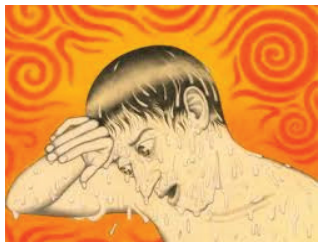

डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। उमस का स्तर दिन में 71% और रात में 80% तक पहुंच गया था। ऐसे उमस और अधिक तापमान के चलते लोग काफी असहज महसूस कर रहे हैं और फिलहाल मुंबईकरों को इससे किसी प्रकार की कोई राहत मिलती नजर नहीं आ रही है।

मौसम का पूवार्नुमान लगाने वाली संस्था वेगरीज के संस्थापक राजेश कपाड़िया ने बताया कि मुंबई में भले ही मॉनसून ने दस्तक जल्दी दे दी है, लेकिन वह टेंपररी था। अब 6 जून के पहले अच्छी बारिश होने की संभावना बेहद कम है। आसमान में बादल छाए रहेंगे, तापमान और उमस भी अधिक रहेगी। शनिवार को कुछ हिस्सों में कुछ मिनट के लिए थोड़ी बारिश हुई।

कोलाबा में 500 टट पार , बना रिकॉर्ड

मुंबई में इस वर्ष 31 मई तक शहर में रिकॉर्ड 503 टट बारिश दर्ज की गई है, इससे पहले 1918 में 218 टट बारिश दर्ज की गई थी। वहीं, उपनगर (सांताक्रुज) में 378 टट बारिश हुई है, जबकि 2000 में रिकॉर्ड 388 MM बारिश हुई थी।

मुंबई को पानी की आपूर्ति करने वाली 7 झीलों में करीब 47 दिन का स्टॉक बचा है। हालांकि, मुंबई को पानी आपूर्ति करने वाली झीलों की स्थिति पिछले दो वर्ष की तुलना में थोड़ी ठीक है। बीएमसी द्वारा दिए आंकड़ों के अनुसार गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष झीलों में 69% अधिक पानी है। मुंबईकरों को अपर वैतरणा, मोडक सागर, तांसा, मिडल वैतरणा, भातसा, विहार और तुलसी से पानी की आपूर्ति की जाती है।

वसई : 24 साल बाद पकड़ा गया हत्यारा...

क्राइम ब्रांच यूनिट-2 की बड़ी कार्रवाई

वसई : वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में 24 साल पहले हुई एक हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर वसई क्राइम ब्रांच यूनिट-2 ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह मामला 14 जनवरी, 2001 का है, जब विरार पश्चिम में एक हार्डवेयर दुकान के पास 46 वर्षीय मोहरम अली मोहम्मद इब्राहिम अली की चाकू से वार कर हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में विरार पुलिस स्टेशन में हत्या की धारा 302 के तहत केस दर्ज किया गया था। इस हत्याकांड में दो आरोपी, हारुण अली मुस्तकीन अली सय्यद और मामू उर्फ छोटे बबून ओमप्रकाश श्रीसाहुनी दिवाकर

दोषी, दोनों निवासी उत्तर प्रदेश, नामजद थे। वारदात के बाद दोनों फरार हो गए थे, जिसमें से आरोपी मामू उर्फ छोटे बबून पिछले 24 वर्षों से फरार था। पूर्व के जांच अधिकारियों को आरोपी का कोई सुराग नहीं मिला था। हालांकि, पुलिस आयुक्त के आदेश पर क्राइम ब्रांच यूनिट-2 ने मामले की समांतर जांच शुरू की. आरोपी के पुराने पेशे और संपर्कों को ध्यान में रखते हुए उसकी तलाश के लिए तकनीकी विश्लेषण, मोबाइल ट्रेसिंग और पुराने रिक्शा एजेंट्स की मदद ली गई. सूत्रों से पता चला कि आरोपी अब भी रिक्शा चला रहा है। उसके बेटे और भतीजे के माध्यम से मोबाइल नंबर हासिल किया गया और तकनीकी निगरानी के जरिए उसका लोकेशन कानपुर जिले के पहाड़पुर, हमीदपुर रोड स्थित श्रीनगर, मयसा मोहलन इलाके में पाया गया।

स्लैब गिरने से महिला की मौत !

विरार : विरार शहर में स्लैब गिरने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। गुरुवार की मध्यरात्रि को एक और दर्दनाक हादसे में 54 वर्षीय महिला अलफिया अब्बास मनासवाला की मौत हो गई। यह घटना एमबी एस्टेट के मर्चेंट अपार्टमेंट में घटी, जहां परिवार के अन्य सदस्य बाल-बाल बच गए, लेकिन अलफिया गंभीर रूप से घायल हो गईं और शुक्रवार दोपहर को इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। बता दें कि वसई विरार क्षेत्र में पिछले 11 दिनों में यह तीसरी बड़ी दुर्घटना है, जिसमें कमजोर या जर्जर इमारतों के स्लैब गिरने से जान-माल का नुकसान हुआ है। इन तीनों हादसों में अब तक दो महिलाओं की

मौत हो चुकी है, जबकि एक किशोर सहित कई लोग घायल हुए हैं। बता दें कि पहला हादसा 21 मई नालासोपारा (आचोले): सिमरन साई नामक इमारत की चौथी मंजिल पर स्लैब गिरा। एक महिला और 14 वर्षीय बच्चे को फायर ब्रिगेड ने सुरक्षित बाहर निकाला। दूसरी घटना 26 मई विरार (गोपचर पाड़ा): पूजा अपार्टमेंट की 335 नंबर फ्लैट का स्लैब गिरा। लक्ष्मी सिंह (27) की मौके पर मौत हो गई। तीसरा हादसा 30 मई विरार (एमबी एस्टेट): मर्चेंट अपार्टमेंट की 11 नंबर फ्लैट में स्लैब गिरने से अलफिया मनासवाला की मौत। बता दें कि लगातार हो रही इन दुर्घटनाओं ने वसई-विरार नगर निगम और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नागरिकों में भय और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जर्जर इमारतों की तत्काल जांच कर मरम्मत या खाली कराने की कार्यवाही की जाए ताकि भविष्य में ऐसे हादसे रोके जा सकें।

विटामिन D की कमी दूर करेंगे फूड्स

विटामिन डी हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है ये तो हम सभी जानते हैं लेकिन बॉडी में इसकी कमी को दूर करने के लिए ज्यादातर हम सूर्य की रोशनी पर ही निर्भर रहते हैं। हालांकि कुछ विटामिन ऊरिच फूड्स भी है जो हमारे शरीर में विटामिन ऊकी कमी को पूरा करने में मददगार साबित हो सकते हैं। बता दें कि विटामिन ऊहमारे शरीर में कैल्शियम को एब्जॉर्ब करने में मदद करता है। इसके साथ ही ये हमारी मांसपेशियों और नर्व सिस्टम के लिए भी बेहद जरूरी होता है। दुनियाभर में बड़ी संख्या में लोग विटामिन ऊकी कमी का सामना कर रहे हैं। भारत में तो ये आंकड़े अन्य देशों की तुलना में और भी ज्यादा हैं। Stylecraze की खबर के अनुसार आप भी अगर विटामिन ऊकी कमी का सामना कर रहे हैं तो हम आपको कुछ विटामिन ऊरिच फूड्स के बारे में बता रहे हैं जिन्हें आप अपनी डाइट में शामिल कर इसकी कमी को बहुद हद तक दूर कर सकते हैं। विटामिन ऊज्यादातर नॉनवेज फूड आइटम में पाया जाता है, लेकिन शाकाहारी लोग गाय के दूध का सेवन कर इसकी कमी को पूरा कर सकते हैं। गाय के दूध में कैल्शियम, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, जिंक भी मौजूद होता है।

सिर और गर्दन के कैंसर के इलाज में मददगार हैं इम्यूनोथेरेपी दवाएं

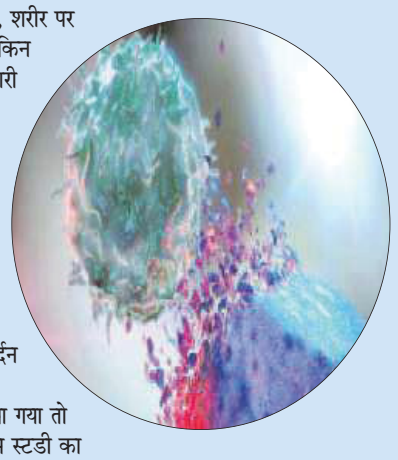

कैंसर वैसे तो किसी भी प्रकार का हो, शरीर पर इसका काफी बुरा असर पड़ता है। लेकिन कुछ मामलों में पीड़ित इस गंभीर बीमारी से जीत जाते हैं, हालांकि ज्यादातर मामलों में ये जानलेवा साबित होता है। अब एक नई स्टडी में इसके इलाज में इस्तेमाल की जाने वाली दवा को लेकर एक नया दावा किया गया है। अमेरिका स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ सिनसिनाटी की तरफ से किए गए क्लिनिकल परीक्षण में पाया गया है कि मध्यम जोखिम वाले सिर व गर्दन के कैंसर पीड़ितों के इलाज में जब इम्यूनोथेरेपी दवाओं का इस्तेमाल किया गया तो उनके बचने की दर में वृद्धि हुई। इस स्टडी का निष्कर्ष अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च के जर्नल क्लिनिकल कैंसर रिसर्च में प्रकाशित किया गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ सिनसिनाटी में इंटरनल मेडिसिन की एसोसिएट प्रोफेसर तृषा वाइज -ड्रेपर ने इस क्लिनिकल ट्रायल को लीड किया है।

एक्सरसाइज पूरी करने से पहले ही क्या आप थक जाते हैं

क्या आपने कभी ऐसा महसूस किया है कि जितनी एक्सरसाइज या पुश-अप करने का आपने तय किया हो, उससे पहले ही ऐसी स्थिति बन जाती है कि आपको लगता है कि बस अब और नहीं, इतनी ही बहुत हैड्ढऔर उसके बाद आपके लिए एक भी पुश-अप करना मुश्किल हो जाता है इस सवाल का जवाब इंग्लैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स के साइंटिस्टों द्वारा ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन के सहयोग से की गई एक स्टडी में दिया गया है। इस स्टडी में साइंटिस्टों ने पता लगाया है कि ब्लड फ्लो सेंसर का काम करने वाले पीजो-1 नामक प्रोटीन के निष्क्रिय होने से ये स्थिति पैदा होती है, इसमें होता क्या है कि मसल्स तक ब्लड पहुंचाने वाली कोशिकाओं (कैपलेरीज) का घनत्व कम होता है। और इस तरह सीमित ब्लड फ्लो के कारण एक्टिव रह पाना या फिजिकल एक्टिविटी को बनाए रखना ज्यादा मुश्किल हो जाता है और आप ये महसूस करने लगते हैं कि बस इतनी ही एक्सरसाइज बहुत है। इस स्टडी का निष्कर्ष जर्नल ऑफ क्लिनिकल इन्वेस्टिगेशन में प्रकाशित किया गया है। रिसर्चर्स के अनुसार, ये निष्कर्ष इस बायोलॉजिकल प्रोसेस को समझने में मदद करता है कि एक्सरसाइज जितनी कठिन होती है, उसे उतना ही कम किया जा सकता है।

कैसे हुई स्टडी

इस स्टडी के दौरान चूहों पर प्रयोग किया गया है, जबकि पीजो1 प्रोटीन इंसानों में भी पाया जाता है। इससे ये कहा जा सकता है कि इंसानों में भी वही क्रियाएं होती होंगी। स्टडी के दौरान साइंटिस्टों ने चूहों को दो ग्रुपों में बांटा, एक कंट्रोल ग्रुप और दूसरा ग्रुप जिसका पीजो1 लेवल 10 हफ्ते तक अस्त-व्यस्त रखा गया। इन दोनों की तुलना करने पर पाया गया कि पीजो1 की अस्त-व्यस्तता वाले ग्रुप के चूहों के चलने-फिरने, भागदौड़ करने और अन्य फिजिकल एक्टिविटी पीजो1 के कम लेवल के साथ घट गई। इससे ये संकेत मिलता है कि सामान्य शारीरिक एक्टिविटी बनाए रखने में पीजो1 की बड़ी ही अहम भूमिका होती है।

क्या कहते हैं जानकार

यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स में स्कूल ऑफ मेडिसिन के रिसर्चर और इस स्टडी के चीफ राइटर फियोना बाटोर्ली का कहना है कि एक्सरसाइज हमें कार्डियोवस्कुलर (हार्ट और धमनियों), डायबिटीज , डिप्रेशन और कैंसर जैसी बीमारियों से बचाती हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश कुछ लोग अनेक कारणों से पर्याप्त एक्सरसाइज नहीं कर पाते हैं। ऐसी स्थिति लोगों रोगों का जोखिम और बढ़ा देती है। जो लोग कम एक्सरसाइज करते हैं वो लोग कम फिट रहते हैं और ये स्थिति बिगड़ती चली जाती है। हमारी स्टडी में फिजिकल एक्टिविटी और पीजो1 के लेवल पर फिजिकल परफोर्मेंस के बीच बड़ा ही अहम संबंध सामने आया है। एक्सरसाइज के जरिए पीजो1 को एक्टिव रखना हमारे फिजिकल परफोर्मेंस और हेल्थ के लिए अहम होता है।इस स्टडी के एक अन्य राइटर प्रोफेसर डेविड बीच का कहना है कि हमारी स्टडी से ये पता चलता है कि रक्त नलिकाओं यानी ब्लड वेसल्स पीजो1 की भूमिका किस तरह से फिजिकल एक्टिविटी से जुड़ी हैं। ब्लड वेसल्स के विकास में इसकी भूमिका की जो जानकारी है, लेकिन अडल्ट्स में ब्लड वेसल्स के रखरखाव में उसके योगदान की बहुत कम जानकारी है। ये स्टडी मसल्स के फंक्शन के नुकसान को बचाने का इलाज ढूंढने में मदद करेगा।

एनआईए ने पाकिस्तान से जुड़े जासूसी मामले में आठ राज्यों में 15 जगहों पर छापे मारे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने शनिवार को पाकिस्तान से जुड़े जासूसी मामले में आठ राज्यों में 15 स्थानों पर बड़े पैमाने पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक सहायक उप निरीक्षक मोती राम जाट को जाट को सीआरपीएफ से बर्खास्त कर दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को दिल्ली, महाराष्ट्र (मुंबई), हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों (पीआईओ) से जुड़े संदिग्धों के ठिकानों पर छापे मारे गए। उन्होंने कहा कि एनआईए की टीमों ने छापेमारी के दौरान कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, संदिग्ध वित्तीय दस्तावेज और अन्य कागजात बरामद किए।

मिंत्रा की 22वीं ईओआरएस हुई शुरू

मुंबई। भारत के अग्रणी फैशन, ब्यूटी एवं लाइफस्टाइल डेस्टिनेशंस में से एक, मिंत्रा की 22वीं एंड ऑफ रीजन सेल (ईओआरएस) 12 जून तक चलेगी। टियर 1, टियर 2 और उभरते हुए शहरों के ग्राहकों को इस सेल में 10,000 से अधिक ब्रांड्स के 4 मिलियन से ज्यादा स्टाईल मिलते हैं, जिनमें अंतर्राष्ट्रीय, स्वदेशी और घरेलू ब्रांड्स के बेहतरीन स्टाईल्स शामिल हैं। इस बार ईओआरएस में ग्राहकों को आकर्षित करने वाली श्रेणियों में मेन्स कैज्युअल वियर, मेन्स एवं वीमेन्स एथनिक वियर, वीमेन्स वेस्टर्न वियर, ब्यूटी एवं पर्सनल केयर, वॉच और वियरेबल्स, एक्सेसरी?, ट्रैवल के लिए जरूरी वस्तुएं, स्पोर्ट्स फुटवियर, किड्स वियर और वेडिंग कलेक्शन शामिल हैं। इसमें लेविस, नाईकी, एडिडास, एचएंडएम, मैंगो, लॉरिआल, लैक्मे, लिबास, डिकैथलॉन, न्यू बैलेंस, रॉग्न, यूएस पोलो एसासिन, प्यूमा और रेयर रैबिट जैसे ब्रांड्स की जबरदस्त मांग रहने की उम्मीद है। ईओआरएस को और ज्यादा रोमांचक बनाने के लिए मिंत्रा के जेन जी प्रोपोजिशन में एसजैडएन, फीकिस, बॉन्क्स कॉर्नर, ग्लिशेज, अनूक रस्टिक, लुलु एंड स्काई, केपोप, आउटजाईडर आदि ब्रांड्स के 2 लाख से अधिक ट्रेंड-फर्स्ट स्टाईल पेश किए जा रहे हैं। ईओआरएस के 22वें संस्करण के बारे में भारत कुमार, हेड ऑफ रेवेन्यू एंड ग्रोथ, मिंत्रा ने कहा, "ईओआरएस का हर संस्करण भारत में शॉपिंग के तरीके को बेहतर बनाने के मिंत्रा के उद्देश्य का प्रमाण है। यह केवल एक ईवेंट नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक समारोह बन गया है, जो फैशनप्रेमी और विकसित होते हुए भारत की भावना प्रदर्शित करता है।

मुकदमे पर रोक लगाने के अनुरोध वाली लालू की याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें नौकरी के बदले जमीन घोटाले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने कहा कि निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने के लिए कोई बाध्यकारी कारण नहीं है। इस बीच, अदालत ने मामले में सीबीआई द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध करने संबंधी लालू प्रसाद की याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया और छह सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 12 अगस्त की तारीख तय की है।

महाराष्ट्र में सभी बड़ी अवसंरचना परियोजनाओं की जांच कराई जाए : कांग्रेस

मुंबई। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल ने शनिवार को बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए राज्य की सभी बड़ी अवसंरचना परियोजनाओं की न्यायिक जांच कराने की मांग की। सपकाल ने यह मांग ऐसे समय में की है, जब एक दिन पहले मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने कहा था कि वह ठाणे क्षेत्र में गायमुख-घोड़बंदर-भयंदर परियोजना से जुड़ी दो निविदाओं को रद्द कर रहा है और व्यापक जनहित की रक्षा के लिए नए सिरे से बोलियां आमंत्रित करने की प्रक्रिया शुरू करेगा। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि घोड़बंदर-भयंदर सुरंग परियोजना और मुंबई एलिवेटेड सड़क परियोजना में 3,000 करोड़ रुपए का भ्रष्टाचार हुआ है। सपकाल ने कहा, सभी प्रमुख परियोजनाओं की न्यायिक जांच होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि उच्चतम न्यायालय ने देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार को एक झटका दिया है, जिसे दो निविदाओं को रद्द करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि बड़े पैमाने पर अनियमितताएं और भ्रष्टाचार सामने आए थे। सपकाल ने आरोप लगाया कि समृद्धि राजमार्ग, पुणे रिंग रोड, विरार-अलीबाग गलियारा और शक्तिपीठ राजमार्ग परियोजनाएं भ्रष्टाचार का गढ़ बन गई हैं। राज्य सरकार की एजेंसी एमएमआरडीए ने शुक्रवार को कहा कि वह लोगों का विश्वास को मजबूत करने और करदाताओं के धन का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के लिए गायमुख-घोड़बंदर-भयंदर परियोजना से जुड़ी दो निविदाओं को स्वेच्छा से रद्द कर रही है।

मोदी ने देश में राजनीति की संस्कृति बदली : नड्डा

जयपुर

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में राजनीति की संस्कृति बदली और आज रिपोर्ट कार्ड की राजनीति हो रही है। नड्डा यहां लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर महिला सशक्तीकरण सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से देश की तस्वीर बदली है। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा, आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 140 करोड़ लोगों का देश दौड़ लगाते हुए आगे बढ़ रहा है। इस बात को हम लोगों ने देखा है। यह बदलती हुई तस्वीर हम लोगों को देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति की संस्कृति बदल दी है। नड्डा ने कहा कि पहले नेता आते थे एक दूसरे के दोषारोपण में समय गुजारते थे, लेकिन आज रिपोर्ट कार्ड की राजनीति हो रही है। उन्होंने कहा, हम अगर आपके पास आते हैं तो या तो कोई योजना देकर जाते हैं, बटन दबाकर आपके खाते में कुछ देकर जाते हैं और आपका सशक्तीकरण करने का काम करते हैं, यह हमारे काम करने का तरीका है। जवाबदेही, प्रदर्शन और विकास की राजनीति ...यह हमारे काम करने का तरीका है। भाजपा नेता ने कहा, मोदी जी ने यह संस्कृति बनाई है और रिपोर्ट कार्ड की संस्कृति जोड़ी है कि जिस जनता से चुना है उस जनता को अपना रिपोर्ट कार्ड दिखाओ। इसलिए नीति निर्धारकों का बहुत बड़ा असर पड़ता है यह हमको समझना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी तथा गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद थे।

मणिपुर में बफर जोन कायम रखें, विधानसभा के साथ अलग केंद्र शासित प्रदेश गठित किया जाए: कुकी समूह

नई दिल्ली

कुकी समूहों ने शनिवार को कहा कि विधानसभा के साथ अलग केंद्र शासित प्रदेश गठित किए जाने तक मणिपुर में बफर जोन को सुरक्षात्मक उपाय के रूप में बनाए रखा जाना चाहिए।कुकी-जो वुमन फोरम की सह-संयोजक चोंग हाओकिप ने यहां संवाददाता सम्मेलन में मणिपुर के कुकी बहुल इलाकों को अलग कर विधानसभा के साथ केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग दोहराई।हाओकिप ने कहा, यह किसी समुदाय के खिलाफ नहीं है, यह कुकी लोगों की सुरक्षा और अस्तित्व के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपाय है। उन्होंने कहा कि इस मांग को राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे सुरक्षा और शांति के लिए आवश्यक कदम के रूप में देखा जाना चाहिए। हाओकिप ने आरोप लगाया, कुकी-जो समुदाय के सदस्यों को इंफाल से खदेड़ दिया गया, जानवरों की तरह मारा गया। हमारे साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार किया गया। हमें हमारी पहचान के कारण मारा गया और सुरक्षा बलों ने समय रहते हस्तक्षेप नहीं किया। सरकार हमें बचा सकती थी, लेकिन उसने कुछ नहीं किया। उन्होंने दावा किया, इंफाल में वर्षों से रह रहे लोग बेघर हो गए हैं। कुकी-जो लोगों की आस्था हिल गई है। पुलिस होने के बावजूद, हमारे लोगों की हत्या की जा रही है। कुकी छात्र संगठन की दिल्ली एवं एनसीआर इकाई के अंतरिम अध्यक्ष सी. थंगमिनलाल डोंगेल ने कहा कि हिंसा रोकने और व्यवस्था बहाल करने के लिए बफर जोन एक महत्वपूर्ण कदम था।उन्होंने कहा, जब तक कोई राजनीतिक समाधान नहीं निकल जाता, बफर जोन को बनाए रखना होगा। यथास्थिति बनाए रखना आवश्यक है, क्योंकि अब तक शांति स्थापित नहीं हो पाई है। कुकी प्रतिनिधियों ने यह भी कहा कि उनकी मांग संवैधानिक दायरे में है।अधिवक्ता विश्वजीत सिंह ने कहा, कई राज्यों का पुनर्गठन किया गया है, हाल ही में जम्मू कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित किया गया। संविधान देश की अखंडता की बात करता है, किसी राज्य की नहीं। हाओकिप ने कहा कि उन्हें भेदभाव और हिंसा का सामना करने के कारण अलग प्रशासनिक इकाई की मांग करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।मई 2023 से मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहने वाले मेइती और पर्वतीय इलाकों में बहुसंख्यक कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में अबतक 260 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हुए हैं। एन. बीरेन सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद, केंद्र ने 13 फरवरी को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था।

स्वामीनाथन आयोग के फार्मूले को लागू नहीं किया गया : संयुक्त किसान मोर्चा

नई दिल्ली। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने खरीफ सत्र 2025-26 के लिए 14 फसलों के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य की शनिवार को कड़ी निंदा की। एसकेएम ने एमएसपी की गणना के लिए सी2 प्लस 50 प्रतिशत फॉर्मूले को लागू नहीं करने के लिए सरकार की आलोचना की। विभिन्न किसान संगठनों के संयुक्त मंच ने केंद्र का यह दावा कि उसने किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिए विपणन सत्र 2025-26 के लिए खरीफ फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है, बिल्कुल झूठ है। मूल तथ्य यह है कि सीसीईए (आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति) द्वारा घोषित एमएसपी, स्वामीनाथन आयोग की सी2 प्लस 50 प्रतिशत की सिफारिश पर आधारित नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र हिमनद सम्मेलन में भारत ने कहा, पाकिस्तान आतंकवाद के जरिए सिंधु संधि का कर रहा उल्लंघन

नई दिल्ली

पाकिस्तान की धरती से जारी सीमा पार आतंकवाद को सिंधु जल संधि के कार्यान्वयन में बाधा बताते हुए भारत ने कहा कि पड़ोसी देश को इस संधि के उल्लंघन के लिए उस पर दोष मढ़ना बंद कर देना चाहिए। शुक्रवार को ताजिकिस्तान के दुशांबे में हिमनदों पर संयुक्त राष्ट्र के पहले सम्मेलन के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए पर्यावरण राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद के जरिए संधि का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने कहा, हम पाकिस्तान द्वारा मंच का दुरुपयोग करने तथा ऐसे मुद्दों का अनुचित संदर्भ लाने के प्रयास से स्तब्ध हैं जो मंच के दायरे में नहीं आते। हम ऐसे प्रयास की कड़ी निंदा करते हैं। सिंह ने कहा कि यह एक निर्विवाद तथ्य है कि सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर होने के बाद से परिस्थितियों में बुनियादी बदलाव हुए हैं, जिसके लिए संधि के दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इन परिवर्तनों में तकनीकी प्रगति, जनसांख्यिकीय परिवर्तन, जलवायु

परिवर्तन और सीमा पार आतंकवाद का खतरा शामिल है। मंत्री ने कहा कि संधि की प्रस्तावना में कहा गया है कि इसे सद्भावना और मैत्री की भावना से संपन्न किया गया, और इस संधि का सद्भावपूर्वक सम्मान करना आवश्यक है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान संधि का उल्लंघन करता रहा है। उसे संधि के उल्लंघन का दोष भारत पर मढ़ने से बचना चाहिए। हिमनदों के संरक्षण पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को कहा कि उनका देश भारत को संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए सिंधु जल संधि को स्थगित रखकर तथा लाखों लोगों के जीवन को खतरे में डालकर हद पार करने की अनुमति नहीं देगा। पाकिस्तानी अखबार डॉन ने शरीफ के हवाले से कहा है, सिंधु बेसिन के पानी के बंटवारे को नियंत्रित करने वाली सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का भारत का एकतरफा और अवैध निर्णय अत्यंत खेदजनक है। जम्मू - कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद, भारत ने संधि को स्थगित करने समेत पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदमों की घोषणा की थी। भारत और पाकिस्तान के बीच 1960 में सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसमें विश्व बैंक भी हस्ताक्षरकर्ता था। यह संधि दोनों देशों के बीच सिंधु नदी प्रणाली के जल के बंटवारे को नियंत्रित करती है। हिमनदों पर तीन दिवसीय संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन का उद्देश्य वैश्विक पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने और जल-संबंधी चुनौतियों से निपटने में हिमनदों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना है। यह सम्मेलन शनिवार को समाप्त हो रहा है। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र के 80 सदस्य देशों और 70 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के 2,500 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती समारोह; निजी कारणों से नहीं आए शरद पवार, कांग्रेस ने भी रस्म अदायगी की- जानकर

दिल्ली

महाराष्ट्र के ओबीसी नेता और राष्ट्रीय समाज पक्ष के संस्थापक महादेव जानकर को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और NCP (SP) प्रमुख शरद पवार की अनुपस्थिति ने झटका दिया. महादेव जानकर, जो कि धनगर समुदाय के प्रमुख नेता माने जाते हैं, ने इस आयोजन के लिए राहुल गांधी, शरद पवार और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को आमंत्रित किया था, लेकिन कांग्रेस की ओर से सिर्फ महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल को भेजा गया, जबकि शरद पवार ने निजी कारणों से आने में असमर्थता जताई.

जानकर की राजनीति में भूमिका कई रंग बदलती रही है. वे कभी बीजेपी के दिवंगत नेता गोपीनाथ मुंडे के करीबी माने जाते थे. 2015 में बीजेपी के समर्थन से महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य

बने और देवेंद्र फडणवीस सरकार में मंत्री पद भी संभाला. हालांकि 2014 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने बारामती सीट से ठउढ की सुप्रिया सुले के खिलाफ चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्हें करीब 70,000 वोटों से हार का सामना करना पड़ा. पिछले साल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी के साथ उनके रिश्तों में खटास आ गई और उन्होंने महायुति गठबंधन से अलग रास्ता चुन लिया.

बीजेपी से दूरी बनाने के बाद जानकर ने विपक्षी महाविकास अघाड़ी की ओर झुकाव दिखाया. उन्होंने इसी महीने राहुल गांधी से मुलाकात की और उन्हें टॉलकटोरा स्टेडियम में आयोजित इस समारोह के लिए आमंत्रित किया.

शांति वार्ता को लेकर असमंजस के बीच रूस-यूक्रेन ने एक-दूसरे पर किया हमला, एक बच्ची की मौत

मॉस्को/कीव। रूस–यूक्रेन के बीच शांतिवार्ता को लेकर असमंजस के बीच शनिवार को दोनों देशों एक दूसरे पर हमला किया। यूक्रेनी वायुसेना ने कहा कि शनिवार को रूस की ओर से किए गए मिसाइल हमले में एक बच्ची की मौत हो गई। जबकि एक किशोर घायल हुआ। जबकि रूसी वायुसेना ने कहा कि यूक्रेनी ड्रोन हमले में 14 लोग घायल हो गए। नए हमलों के बाद इंस्ताबुल में रूस की ओर प्रस्तावित शांति वार्ता में यूक्रेनी राजनयिक के शामिल होने लेकर असमंजस बरकरार है। यूक्रेन की वायुसेना ने बताया कि रूसी सैनिकों ने शनिवार को यूक्रेन में लगभग 109 ड्रोन और पांच मिसाइलें दागीं। तीन मिसाइलों और 42 ड्रोन को

हवाई सुरक्षा द्वारा नष्ट कर दिया गया। जबकि अन्य 30 ड्रोन बिना किसी नुकसान के अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके। जोपोरीज्जिया के गवर्नर इवान फेडोरोव ने बताया कि जापोरीज्जिया क्षेत्र के डोलिंका गांव में हुए हमले में एक नौ वर्षीय लड़की की मौत हो गई और 16 वर्षीय किशोर घायल हो गया। हमलों के एक घर नष्ट हो गया। साथ ही कई अन्य घरों, कारों और बाहरी इमारतों को नुकसान पहुंचा।

यूक्रेन के हमले में 14 लोग घायल

वहीं रूस ने यूक्रेन पर हमले का आरोप लगाया। कार्यवाहक गवर्नर अलेक्जेंडर खिनश्टाइन ने बताया कि रूसी शहर रील्स्क और पश्चिमी कुर्स्क क्षेत्र के आर्टाकोवो गांव में अपार्टमेंट इमारतों पर यूक्रेनी ड्रोन हमले में 14 लोग घायल हो गए। दोनों हमलों में चार बच्चे घायल हो गए और कई स्थानों पर आग भी लग गई।

इंस्ताबुल में होगी नई वार्ता

राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के सलाहकार आंद्रेई यरमक ने बताया कि वह सोमवार को इस्तांबुल में रूस के साथ सीधी शांति वार्ता फिर से शुरू करने को तैयार है। बातचीत से पहले रूस को अपनी शांति प्रस्ताव से जुड़ा मसौदा यूक्रेन को देना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि हम रचनात्मक बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन जरूरी है कि रूस अपनी स्थिति स्पष्ट करे। अभी चार दिन हैं, जो दस्तावेज भेजने के लिए पर्याप्त समय है।

अमेरिका का 60 दिन वाला सीजफायर प्रस्ताव इजरायल ने स्वीकारा, हमास की क्यों बढ़ी चिंता?

इजरायल ने गाजा के लिए अमेरिका के युद्ध विराम प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। मामले से परिचित इजरायली अधिकारियों ने कहा कि इसमें 60 दिनों के लिए लड़ाई रोकनी होगी और फिलिस्तीनी क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व वाली सहायता वितरण को बहाल करना शामिल है। व्हाइट हाउस ने गुरुवार को कहा कि इजरायल ने हमास को सौंपे जाने से पहले प्रस्ताव की शर्तों पर हस्ताक्षर किए थे, हालांकि इसकी सामग्री के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। दो इजरायली अधिकारियों ने इस निर्णय की पुष्टि की। हमास ने कहा कि ईरान समर्थित समूह मध्यस्थों के माध्यम से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से प्राप्त युद्ध विराम प्रस्ताव के बारे में फिलिस्तीनी गुटों के साथ परामर्श कर रहा है। टेलीग्राम के माध्यम से संक्षिप्त बयान में विवरण के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया। मामले से परिचित इजरायली अधिकारियों ने जिन्होंने मुद्दे पर चर्चा करते हुए नाम न बताने की शर्त पर कहा कि संघर्ष विराम की अन्य शर्तों में हमास द्वारा 10 जीवित बंधकों को रिहा करना तथा 18 बंधकों के अवशेष लौटाना शामिल है, जिनकी मृत्यु कैद में हुई थी। इजराइल ने 11 सप्ताह की नाकाबंदी के बाद गाजा में कुछ सहायता वितरण फिर से शुरू कर दिया है, जबकि हमास को इस प्रक्रिया से अलग करके उसे अलग–थलग करने की कोशिश की जा रही है। संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व वाले वितरण पर वापस लौटने से संगठन को अलग–थलग करने के इजराइली सरकार के पिछले फैसले को पलट दिया जाएगा। गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन के नाम से जाने जाने वाले एक नए गैर–लाभकारी संगठन के संचालन में कुछ अराजक दृश्य देखने को मिले हैं, जिसमें मंगलवार को एक सहायता स्थल पर फिलिस्तीनियों की

भीड़ का कब्जा शामिल है। जीएचएफ ने इस सप्ताह सीमित मात्रा में सहायता वितरित करना शुरू किया और कहा कि यह वितरण बढ़ा रहा है। जीएचएफ ने शुक्रवार को कहा कि चार दिनों में 2.1 मिलियन से अधिक भोजन वितरित किए गए हैं।

निरस्त्रीकरण, सैन्य वापसी और युद्ध विराम

यह योजना मार्च में पिछले युद्ध विराम के दो महीने बाद ही टूट जाने के बाद अमेरिका, मिस्र और कतर द्वारा मध्यस्थता से रुके हुए राजनयिक प्रयासों की श्रृंखला में नवीनतम है। गहरे मतभेद बने हुए हैं। इज़राइल जोर देता है कि हमास को निरस्त्र किया जाना चाहिए और एक सैन्य और शासक बल के रूप में विघटित किया जाना चाहिए, और युद्ध समाप्त होने से पहले गाजा में अभी भी बंधक बनाए गए सभी 58 लोगों को वापस किया जाना चाहिए। दूसरी ओर, हमास ने हथियार छोड़ने से इनकार कर दिया और गाजा से इजरायल की पूरी वापसी और शत्रुता को स्थायी रूप से समाप्त करने की मांग की।

चीन रच रहा अब कौन सी साजिश? अमेरिका की बढ़ गई टेंशन

संयुक्त राज्य अमेरिका ने ताइवान के लिए आसन्न चीनी खतरे के बारे में चेतावनी जारी की है। अमेरिकी रक्षा सचिव ने कहा कि चीन ताइवान पर आक्रमण करने के लिए सक्रिय रूप से प्रशिक्षण ले रहा है और दक्षिण चीन सागर में सैन्य ठिकानों का विस्तार कर रहा है। अमेरिका ने इस बात पर जोर दिया कि चीन द्वारा ताइवान पर बलपूर्वक कब्ज़ा करने के किसी भी प्रयास के इंडो–पैसिफिक क्षेत्र और दुनिया के लिए विनाशकारी परिणाम होंगे। यह बयान अमेरिका और चीन के बीच चल रहे तनावों के बीच आया है, जिसमें व्यापार युद्ध और पारस्परिक शुल्क शामिल हैं। चीन ने कहा है कि अगर ज़रूरत पड़ी तो वह ताइवान को बलपूर्वक मुख्य भूमि में मिला लेगा। कई विश्लेषकों और विशेषज्ञों ने ताइवान के खिलाफ चीन के अभियान की समयसीमा 2027 बताई है। चीनी सेना ताइवान पर दबाव बनाना जारी रखे हुए है, अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने शनिवार को चेतावनी दी कि बीजिंग एशिया में शक्ति संतुलन को बिगाड़ने के लिए सैन्य बल का उपयोग करने के लिए विश्वसनीय रूप से तैयारी कर रहा है, उन्होंने कसम खाई कि संयुक्त राज्य अमेरिका हिंद–प्रशांत क्षेत्र में यहाँ रहने के लिए है। चीन ताइवान पर अपना दावा करता है और अमेरिका ने इसकी रक्षा करने का संकल्प जताया हैं सिंगापुर में सुरक्षा सम्मेलन में हेगसेथ ने कहा कि चीन की सेना ''किसी बड़ी घटना की तैयारी के लिए अभ्यास कर रही है। हम चिकनी चुपड़ी बात नहीं करेंगे। चीन द्वारा उत्पन्न खतरा वास्तविक है। और यह निकट भविष्य में सामने आ सकता है।'' हेगसेथ ने 'इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर सिक्योरिटी स्टडीज' द्वारा आयोजित वैश्विक सुरक्षा सम्मेलन 'शांगरी–ला वार्ता' में कहा कि चीन अब ताइवान पर कब्जा करने के लिए न केवल अपने सैन्य बलों को मजबूत कर रहा है, बल्कि वह ''इसके लिए हर दिन सक्रिय रूप से प्रशिक्षण भी ले रहा है।

संक्षिप्त समाचार

हमने भारत और पाक को लड़ने से रोका, कहा – एक–दूसरे पर गोली चलाने वालों से व्यापार नहीं कर सकते : ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक बार फिर यह दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को लड़ने से रोका और दोनों देशों से कहा कि उनका (ट्रंप) प्रशासन एक–दूसरे पर गोली चलाने वालों से व्यापार नहीं कर सकता। ट्रंप ने अरबपति कारोबारी एवं टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के साथ ओवल ऑफिस में संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, "हमने भारत और पाकिस्तान

को लड़ने से रोका। मेरा मानना घ्छै कि यह परमाणु आपदा में बदल सकता था।" सरकारी दक्षता विभाग का कार्यभार संभालने वाले मस्क, ट्रंप प्रशासन छोड़ रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि वह "भारत के नेताओं, पाकिस्तान के नेताओं और अपने लोगों को भी धन्यवाद देना चाहते हैं। हमने व्यापार पर बात की और कहा कि ''हम उन लोगों के साथ व्यापार नहीं कर सकते जो एक–दूसरे पर गोली चला रहे हैं और जिनके द्वारा परमाणु हथियारों का इस्तेमाल किये जाने की आशंका है।" ट्रंप ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के नेता महान हैं और "उन्होंने समझदारी दिखाते हुए सहमति जताई, जिसके बाद यह सब बंद हो गया।" जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों के मारे जाने केलगभग दो सप्ताह बाद, भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाकर ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। चार दिनों तक सीमा के दोनों तरफ से ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद, भारत और पाकिस्तान ने 10 मई को संघर्ष रोकने पर सहमति जताई थी।

इंडोनेशिया में खदान ढहने से मरने वालों की संख्या 14 हुई

राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी ने एक बयान में बताया कि शुक्रवार देर रात को तीन और शव बरामद किए गए तथा एक अन्य कर्मचारी की अस्पताल में मौत हो गई जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई। इंडोनेशिया के पश्चिमी जावा प्रांत में शुक्रवार को एक खदान के धंस जाने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 14 हो गई है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सरेबोन जिले में गुनुंग कुडा खदान ढहने से दो दर्जन से अधिक लोग मलबे में फंस गए थे। शुरुआत में बचावकर्मियों ने तलाश अभियान के दौरान मलबे से एक दर्जन घायल लोगों और 10 शवों को निकाला था। राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी ने एक बयान में बताया कि शुक्रवार देर रात को तीन और शव बरामद किए गए तथा एक अन्य कर्मचारी की अस्पताल में मौत हो गई जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई। गंभीर रूप से घायल पांच लोग अस्पताल में भर्ती हैं। स्थानीय टेलीविजन चौनल ने आपातकालीन कर्मचारियों, पुलिसकर्मियों, सैनिकों और स्वयंसेवकों को शनिवार सुबह पांच उत्खनन मशीन की सहायता से बचाव अभियान में जुटे दिखाया। प्राधिकारियों ने बताया कि छह से आठ लोगों के अब भी फंसे होने की आशंका है। स्थानीय पुलिस प्रमुख सुमारनी ने कहा, ''अधिकारी खदान के धंस जाने के कारण की जांच कर रहे हैं। हम खदान के मालिक समेत छह लोगों से पूछताछ कर रहे हैं।

ट्वीन टनल का टेंडर रद्द, विपक्ष का सरकार पर हमला

मुंबई : घोडबंदर-भायंदर टनल और एलिवेटेड मार्ग का टेंडर रद्द होने पर विपक्ष ने सरकार पर जोरदार हमला बोला है। सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद एमएमआरडीए ने यह निविदा रद्द कर दी थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने आरोप लगाया कि इस परियोजना में 3 हजार करोड़ रुपए का भ्रष्टाचार हुआ है। वहीं शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि अदालत ने सरकार को बड़ा झटका दिया है। सपकाल ने कहा कि इस परियोजना के लिए एक अन्य बोलीदाता का टेंडर तकनीकी आधार पर रद्द कर दिया गया। इस काम के लिए जिस कंपनी मेघा इंफ्रास्ट्रक्चर को ठेका दिया है, वह कौन है? इसके पीछे क्या साजिश थी? यह बात अब सामने आ गई है। यह मुद्दा एमएमआरडीए द्वारा टेंडर रद्द करने से खत्म नहीं होता है, यह मुद्दा भ्रष्टाचार का है।

चुनाव में यहीं से आया पैसाः सपकाल

सपकाल ने कहा कि यह मुद्दा केवल एक प्रोजेक्ट तक सीमित नहीं है। समृद्धि महामार्ग, पुणे रिंग रोड, विरार अलीबाग कॉरिडोर और अब शक्तिपीठ महामार्ग जैसे सारे प्रोजेक्ट भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुके हैं। सत्ता से संपत्ति और संपत्ति से सत्ता का यह दुष्चक्र जारी है। ठाणे-मुंबई क्षेत्र के ये सभी प्रोजेक्ट इसी घोटाले के हिस्से हैं। 50 खोके एकदम ओके का पैसा यहीं से आया है। चुनाव में पैसा फेंक तमाशा देख के लिए जो

पैसा बहाया गया, वह भी यहीं से निकला था। कांग्रेस ने मांग की है कि इन सभी प्रोजेक्ट्स की न्यायिक जांच होनी चाहिए। वहीं शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि कोर्ट ने सरकार को बहुत बड़ा झटका दिया है।

इससे लोगों की जेब कट गई। अदालत जाने के लिए एलएनटी कंपनी को भी बधाई। उन्होंने कोर्ट जाने की हिम्मत की, क्योंकि ठेकेदार लड़ने की हिम्मत नहीं करता। कोर्ट के आदेश के बाद यह टेंडर रद्द कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि गायमुख भायंदर से बोरीवली तक टनल बननी थी, इसका 14,000 करोड रुपए का टेंडर जारी किया गया। टेंडर के लिए केवल 20 दिन का समय दिया गया। निविदा 13 सितंबर 2024 को जारी हुई और निविदा भरने की अंतिम तारीख 3 अक्टूबर 2024 थी। तब हमने यह सवाल पूछा था कि चुनाव के पहले ऐसी जल्दबाजी क्यों? आदित्य ने कहा कि कोई भी शॉर्ट टेंडर आपातकालीन स्थितियों मसलन भूस्खलन, दीवार गिरने के वक्त जारी किया जाता है।

एलएनटी पहुंची सुप्रीम कोर्ट

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएमआरडीए) ने घोडबंदर-भायंदर टनल और एलिवेटेड प्रोजेक्ट की निविदा रद्द कर दी थी। टेंडर प्रक्रिया को लार्सन एंड टूब्रो ने पहले बॉम्बे हाईकोर्ट फिर बाद में सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। एमएमआरडीए ने घोषणा की कि उसने अपना पिछला टेंडर रद्द करने का फैसला किया है। एमएमआरडीए की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि हम निविदा रद्द कर रहे हैं। दोहरी सुरंग परियोजना संजय गांधी नेशनल पार्क के नीचे से गुजारने की योजना है, ताकि पश्चिम एक्सप्रेस-वे को पूर्वी एक्सप्रेस-वे से जोड़ा जा सके। परियोजना के पूरा होने से वाहन बगैर घोड़बंदर रोड पर गए केवल 15 से 20 मिनट में ठाणे से बोरीवली तक पहुंच सकेंगे। अभी यह सफर पूरा करने में एक से डेढ़ घंटे का समय लगता है।

नकली नोटों के एक बड़े गिरोह का पदार्फाश
23 लाख रुपए का माल जब्त !

मुंबई : मालवणी पुलिस ने नकली नोटों के एक बड़े गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से नकली नोट छापने की सामग्री समेत कुल लगभग 23 लाख रुपए का माल जब्त किया है। मालवणी पुलिस उपनिरीक्षक डॉ. दीपक हिंडे और निगरानी दल मालवणी पुलिस थाना क्षेत्र में गश्त के दौरान थे, तभी उन्हें एक गुप्त सूचना मिली। सूचना के अनुसार, एक नीले रंग की बलेनो कार साईबाबा मंदिर के पास, मार्वे बीच रोड, मालाड (पश्चिम), मुंबई में संदिग्ध अवस्था में खड़ी थी।

तलाशी के दौरान मिले 1740 नकली नोट

सूचना मिलते ही पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया और निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए रात 8:10 बजे मौके पर पहुंचकर उक्त कार को घेर लिया। कार में मौजूद दो संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लेकर जब वाहन की तलाशी ली गई, तो उसमें से 500-500 रुपये के कुल 1740 नकली नोट बरामद किए गए. इसके अलावा, एक लैपटॉप, प्रिंटर, रंगीन स्याही, विशेष प्रकार का कागज, कटर, स्केल, कैंची जैसी नकली नोट छापने में उपयोग की जाने वाली सामग्री भी जब्त की गई। मुंबई पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 661/2025 के तहत भारतीय दंड संहिता की धाराओं 178, 180, 181, 182, 318 (1), और 3(5) के अंतर्गत मामला दर्ज किया है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इस प्रकार है

1. संपत सामवय्या एंजपल्ली, उम्र 46 वर्ष, निवासीः जिला जयशंकर, तेलंगाना
2. रहीमपाशा याकुब शेख, उम्र 30 वर्ष, निवासी जिला वारंगल, तेलंगाना

मुंबई-अमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीन फ्लाईओवर यातायात के लिए खोल दिए गए...

मुंबई : मुंबई-अमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीन फ्लाईओवर यातायात के लिए खोल दिए गए हैं। इससे यातायात जाम से परेशान वाहन चालकों को थोड़ी राहत मिली है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने मुंबई-अमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर सातीवली, जव्हार फाटा, नांदगांव और तलासरी सीमा में चार दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में फ्लाईओवर का काम एक से डेढ़ साल पहले शुरू किया था। लेकिन अभी तक पूरा नहीं हो सका है।

इन चार स्थानों पर तेज गति से चलने वाले वाहनों की अप्रत्याशित गति के कारण विशेष रूप से रात के अंधेरे में चारपहिया और दोपहिया वाहनों के राजमार्ग पार करते समय अक्सर दुर्घटनाएं होती रही हैं, जिसके

परिणामस्वरूप कई नागरिकों की मौत हो चुकी है। बढ़ती दुर्घटनाओं के मद्देनजर, स्थानीय लोग कई वर्षों से इन दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में फ्लाईओवर के निर्माण की मांग कर रहे थे। राजनीतिक दलों और नाराज नागरिकों ने फ्लाईओवर के निर्माण में देरी के खिलाफ राजमार्ग पर यातायात को रोकने के लिए जव्हार फाटा पर विरोध प्रदर्शन भी किया था। तदनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने २०२३ में फ्लाईओवर के निर्माण को मंजूरी दी थी और निधि भी मंजूर की थी।

चार फ्लाईओवर में से तीन फ्लाईओवर- जव्हार फाटा, नांदगांव और तलासरी लगभग पूरे हो चुके हैं, जबकि एक का रंग-रोगन का काम अंतिम चरण में है। सातीवली में फ्लाईओवर का काम देरी से चल रहा है। इस फ्लाईओवर का काम पूरा होने में दो से तीन महीने और लगने की संभावना है। सातीवली फ्लाईओवर के काम के कारण राजमार्ग पर यातायात दोनों तरफ की सर्विस रोड पर डायवर्ट किया गया है। चूंकि इस स्थान पर अक्सर दुर्घटनाएं हुई हैं और नागरिकों की जान चली गई है इसलिए वाहन चालक मांग कर रहे हैं कि इस फ्लाईओवर का काम जल्द से जल्द पूरा किया जाए।

कार पार्किंग लिफ्ट गिरने से एक की मौत, एक की हालत गंभीर

मुंबई : बोरीवली पश्चिम में एक निमार्णाधीन इमारत में एक कार पार्किंग लिफ्ट सात मीटर गहरे गड्ढे में गिर गई। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार बोरीवली पश्चिम में लिंक रोड पर स्थित अव्युक्ता ब्रीज पूर्व में ओम प्रथमेश बिल्डिंग नामक 21 मंजिला टावर में शनिवार सुबह लगभग 11 बजे कार

लिफ्ट गिरने की दुर्घटना घटी। मनपा आपातकालीन कक्ष और घटनास्थल पर मौजूद फायर ब्रिगेड के अधिकारियों के अनुसार, दो मजदूर पार्किंग लिफ्ट को स्थापित कर रहे थे जब यह हादसा हुआ। इस दुर्घटना में 30 वर्षीय शुभम मदनलाल धुरी को लिफ्ट और शाफ्ट के बीच फंसे हुए हालत में बड़ी मुश्किल से निकाला गया। शुभम को इलाज के लिए ले जाया गया जहां अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जबकि 45 वर्षीय सुजीत यादव को सिर में चोट लगी है और उन्हें सीटी स्कैन के लिए भेजा गया है। दोनों को इलाज के लिए शताब्दी अस्पताल ले जाया गया था।

खतरनाक इमारतों की स्ट्रक्चरल ऑडिट कराने की मांग

भायंदर : मीरा-भायंदर शहर की खतरनांक इमारतों में रहने वाले लोगों को अचानक नोटिस देकर तुरंत इमारत खाली ना कराने की मांग परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने की है। खतरनांक इमारतों के संदर्भ में एक बैठक का आयोजन किया गया था। इस बैठक में परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, नगर विकास सचिव असीम गुप्ता, मनपा के अधिकारियों के अलावा इन इमारतों में रहने वाले लोग उपस्थित थे। इस बैठक में प्रताप सरनाईक ने कहां की शहर के कुछ विकासक अपने स्वार्थ की खातिर ऐसी इमारतों को खतरनाक करार करवा कर उन इमारतों के बिजली एवं पानी कनेक्शन बंद करवा देते हैं। मनपा को बरसात के मौसम को देखते हुए ऐसी खतरनांक इमारतों का स्ट्रक्चरल ऑडिट करवाना चाहिए उसके बाद अगर वह इमारत खतरनांक हो तो ही उसको खाली करवाना चाहिए। मनपा को उन इमारतों में रहने वाले लोगों के लिए पयार्यी व्यवस्था करनी चाहिए।

भिवंडी : 6 वर्षीय लापता बच्ची को पुलिस ने ढूंढ़ निकाला

भिवंडी : भिवंडी शहर में पिछले कुछ दिनों से लापता हुई मासूम बच्ची की तलाश में जुटी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। एक 6 वर्षीय बच्ची को आखिरकार सकुशल खोज निकाला गया है, जिससे पूरे परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, खाड़ीपार के रसुलाबाद के एक चाली में रहने वाली इकरा मुसीद अहमद कुरेशी (6) बच्ची अचानक लापता हो गई थी और परिजनों ने तुरंत निजामपुर पुलिस से संपर्क कर मदद की गुहार लगाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए निजामपुर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विश्वास डगले के नेतृत्व में सहायक पुलिस निरीक्षक ए.बी. गिते ने तात्काल खोजबीन शुरू की और श्वान पथक के साथ एक पुलिस टीम की गठन किया गया।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com